भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 02 | अंक - 05 | बिजौलिया - मंगलवार, 28 जुलाई ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

राजस्थान में निकाय चुनावों में युवाओं पर दांव, कांग्रेस देगी आधे टिकट 50 वर्ष से कम उम्र वालों को

हाईकोर्ट के फैसले के बाद चुनावी तैयारियां तेज, डोटासरा बोले- अब वार्ड बदलकर टिकट लेने की राजनीति नहीं चलेगी, वरिष्ठ नेता तैयार करें नई पीढ़ी

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

हाईकोर्ट से स्थानीय निकाय और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का रास्ता साफ होने के साथ ही प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनावी तैयारियों के बीच कांग्रेस ने बड़ा संगठनात्मक फैसला लेते हुए घोषणा की है कि इस बार शहरी निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में 50 प्रतिशत टिकट 50 वर्ष से कम उम्र के नेताओं को दिए जाएंगे। पार्टी का मानना है कि इस फैसले से युवाओं को नेतृत्व का अवसर मिलेगा और स्थानीय राजनीति में नई ऊर्जा का संचार होगा।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में शहरी निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कहा कि पार्टी पहले ही यह घोषणा कर चुकी है कि निकाय और पंचायतीराज चुनावों में आधे टिकट 50 वर्ष से कम उम्र के कार्यकर्ताओं को दिए जाएंगे। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं से आह्वान किया कि वे स्वयं के स्थान पर युवा नेतृत्व तैयार करें। डोटासरा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि 70-80 वर्ष की उम्र वाले नेता टिकट की दावेदारी करेंगे तो पार्टी के सामने कठिनाई खड़ी होगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शेष 50 प्रतिशत टिकट अनुभवी नेताओं के लिए उपलब्ध रहेंगे।

प्रदेशाध्यक्ष ने टिकट वितरण को लेकर भी नई कार्यशैली के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि केवल व्यक्तिगत इच्छा के आधार पर टिकट नहीं मिलेगा, बल्कि स्थानीय परिस्थितियों, संगठन और जीत की संभावना को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने दो टूक कहा कि एक वार्ड से चुनाव लड़ने के बाद अगली बार दूसरे वार्ड में जाकर टिकट मांगने की परंपरा

अब स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में डोटासरा ने चुनाव के बाद होने वाली जोड़-तोड़ की राजनीति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई बार कांग्रेस के टिकट पर जीतकर आए प्रतिनिधि बाद में दूसरी ओर चले जाते हैं और सत्ता समीकरण बदल जाते हैं। पार्टी इस बार ऐसे मामलों पर विशेष नजर रखेगी तथा हाईकमान द्वारा तय किए गए निकाय प्रमुख के समर्थन में सभी जनप्रतिनिधियों को एकजुट रहना होगा।

दरअसल, कांग्रेस ने वर्ष 2022 में उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान जारी उदयपुर घोषणा-पत्र में संगठन और चुनावी राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 50 प्रतिशत टिकट 50 वर्ष से कम उम्र के नेताओं को देने का संकल्प लिया था। स्थानीय निकाय और पंचायतीराज चुनावों में पहली बार इस घोषणा को व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के इस फैसले से स्थानीय स्तर पर उम्मीदवारों के चयन का पूरा समीकरण बदल सकता है। बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं को टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी, वहीं वर्षों से चुनाव लड़ते आ रहे वरिष्ठ नेताओं के सामने भी नई चुनौती खड़ी होगी। ऐसे में आगामी निकाय और पंचायतीराज चुनावों में युवाओं की भूमिका पहले की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण रहने की संभावना है।

दुबई अपहरण-फिरौती केस में मुख्य आरोपी लुत्फी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

7 सितंबर तक कोर्ट में पेश करने के आदेश, दुबई से संचालित नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा, कई आरोपियों पर इनाम और एलओसी जारी

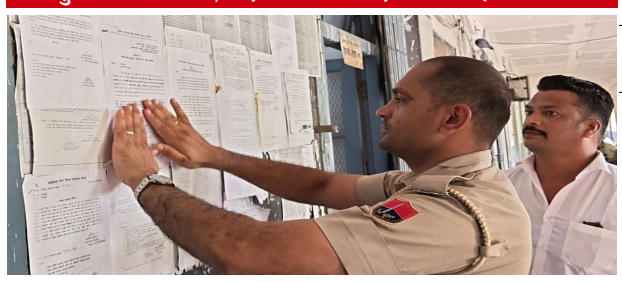

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

(पुनित चपलोत)

दुबई में भीलवाड़ा के एक व्यापारी के कथित अपहरण एवं फिरौती प्रकरण में न्यायालय ने मुख्य आरोपी फजले रऊफ उर्फ लुत्फी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने सुभाषनगर थाना पुलिस को निर्देश दिए हैं कि आरोपी को गिरफ्तार कर 7 सितंबर 2026 तक न्यायालय में पेश किया जाए। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है।

सुभाषनगर थाना प्रभारी कैलाश विश्नोई ने बताया कि वर्ष 2025 में हवाला, सट्टा और ब्याज माफिया से जुड़े संगठित अपराध के मामले दर्ज होने के बाद लुत्फी गिरफ्तारी से बचने के लिए दुबई फरार हो गया था। जांच के अनुसार उसने वहां अपना आपराधिक नेटवर्क खड़ा कर लिया, जिसमें प्रतापगढ़ के कुख्यात अपराधी इमरान उर्फ चुन्नू लाला, जाहिद उर्फ बादशाह लाला सहित कई अन्य आरोपी सक्रिय बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह से जुड़े कुछ लोगों द्वारा दुबई में भीलवाड़ा की युवतियों को बुलाकर कथित तौर पर सेक्सटॉर्शन रैकेट संचालित किए जाने के संकेत मिले हैं। इस संबंध में पुलिस को दो वीडियो मिले हैं। एक मामले में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है, जबकि दूसरे मामले में जांच जारी है।

पुलिस ने गिरोह के 11 आरोपियों पर इनाम घोषित किया है तथा 8 आरोपियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी कराया है। योगेश मूंदड़ा, मोइन खान और वसीम मोहम्मद पठान को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि अपराध से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें फ्रीज एवं जब्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

इनाम घोषित आरोपियों में जाहिद उर्फ बादशाह लाला, इमरान उर्फ चुन्नू लाला, रज्जाक मोहम्मद, फातिमा फहीम, जितेंद्र कुमार माली, मोहम्मद आदिल शेख, नीतू महेश और जीशान खान सहित अन्य शामिल हैं। शेष आरोपियों के खिलाफ भी एलओसी जारी कराने की प्रक्रिया जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए न्यायालय के नोटिस बोर्ड, आरोपी के दोनों आवासों तथा नगर निगम कार्यालय पर नोटिस चस्पा किए गए हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि आरोपियों के संबंध में कोई जानकारी हो या किसी प्रकार की आपराधिक वारदात का सामना किया हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

भीलवाड़ा में सड़कों पर उतरा गोभक्तों का सैलाबः 3.47 लाख हस्ताक्षरों के साथ राष्ट्रपति - प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग

साधु - संतो संग नंगे पांव कलेक्ट्रेट पहुंचे विधायक कोठारी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

भीलवाड़ा में गो सम्मान अभियान के द्वितीय चरण के तहत सोमवार को हरिशेवा धाम से जिला कलेक्ट्रेट तक विशाल पदयात्रा निकाली गई। विधायक अशोक कोठारी सहित बड़ी संख्या में गोभक्त नंगे पांव चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गो माता को राष्ट्रमाता घोषित करने तथा देशभर में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई।

विधायक अशोक कोठारी ने बताया कि अभियान के तहत देश के 780 जिला केंद्रों पर एक साथ ज्ञापन दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मांग देश की आजादी के समय ही पूरी हो जानी चाहिए थी। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधीजी ने भी स्वराज से अधिक गो रक्षा को महत्वपूर्ण बताया था।

कोठारी ने बताया कि अभियान का लक्ष्य 40 करोड़ हस्ताक्षर एकत्र कर केंद्र सरकार को सौंपना है। प्रथम चरण 27 अप्रैल 2026 को पूरा हुआ था, जिसमें सवा पांच करोड़ हस्ताक्षर जुटाए गए। वहीं द्वितीय चरण में देशभर से 15 करोड़ अतिरिक्त हस्ताक्षर जोड़ने का लक्ष्य है। भीलवाड़ा जिले से इस चरण में 3 लाख 47 हजार हस्ताक्षरों से युक्त ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर करेड़ा से महंत सरजू दास के नेतृत्व में तथा घलवा से जैन संत सुरेश मुनि के सानिध्य में गोभक्त पदयात्रा कर भीलवाड़ा पहुंचे। विधायक ने सभी नागरिकों से अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि 'गो माता सुखी होगी, तभी मानव सुखी होगा। '

एनएच-27 पर अधूरी पुलिया बनी हादसों की वजह, सलावटिया के पास पलटा ट्रक

निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार से बढ़ी चिंता, सावन में तिलस्वां महादेव जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर उठे सवाल

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

(नरेश धाकड़) राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर सलावटिया के निकट निर्माणाधीन पुलिया एक बार फिर सड़क हादसे का कारण बन गई। सोमवार को पुलिया के समीप एक ट्रक असंतुलित होकर पलट गया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद निर्माण कार्य की धीमी गति और सुरक्षा इंतजामों की कमी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया निर्माण के चलते सड़क संकरी हो गई है तथा बनाया गया डायवर्जन पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। पर्याप्त चेतावनी संकेत, रिफ्लेक्टर और रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था के अभाव में वाहन चालकों को जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि इसी स्थान पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग ने अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि सावन मास शुरू होने वाला है। तिलस्वां महादेव मंदिर में दर्शन के लिए प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु और कांवड़ यात्री इसी मार्ग से गुजरेंगे। ऐसे में अधूरी पुलिया और अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सावन मास को देखते हुए निर्माण स्थल पर तत्काल विशेष यातायात प्रबंधन लागू किया जाए, सुरक्षित डायवर्जन, चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा पुलिया निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम राहगीरों की सुरक्षित आवाजाही बनी रहे।

जोगणिया धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, 150 से अधिक बसों में पहुंचे श्रद्धालु

मां जोगणिया को छप्पन भोग, महाआरती में हजारों श्रद्धालु शामिल

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

प्राकृतिक सौंदर्य से निखरे प्रसिद्ध जोगणिया माता शक्तिपीठ में सोमवार को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सावन माह के आगमन से पहले आए विशेष सोमवार पर सुबह से ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। दूर-दराज़ से पहुंचे हजारों भक्तों ने मां जोगणिया के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगल की कामना की।

शक्तिपीठ के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि राजसमंद और फतेहनगर क्षेत्र से करीब 150 से अधिक बसों में श्रद्धालु जोगणिया धाम पहुंचे। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर समिति की ओर से पेयजल, ठहरने एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे दर्शन व्यवस्था पूरे दिन सुचारू रही।

सोमवार को मां जोगणिया का विशेष श्रृंगार कर विधि-विधान से छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके बाद आयोजित भव्य महाआरती में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। महाआरती के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

रविवार रात्रि आयोजित भजन संध्या में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्ति गीतों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। बारिश के बाद हरियाली से आच्छादित जोगणिया धाम का मनमोहक दृश्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से दर्शन कराकर व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखा। पूरे दिन शक्तिपीठ 'जय माता दी' के जयकारों से गूंजता रहा और किसी प्रकार की अव्यवस्था देखने को नहीं मिली।

भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति का गठन, सांसद दामोदर अग्रवाल की अनुशंसा पर पांच सदस्य मनोनीत

दिसंबर 2027 तक रहेगा कार्यकाल, स्टेशन विकास से जुड़े सुझावों पर करेगी कार्य

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल के अंतर्गत भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन के लिए स्टेशन सलाहकार समिति का गठन किया गया है। समिति का गठन भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल की अनुशंसा पर किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव द्वारा जारी आदेश के अनुसार समिति में विनोद झुरानी, अनिल अग्रवाल, गौतम शर्मा, रामानुज सारस्वत एवं सीमा सोनी को सदस्य मनोनीत किया गया है। समिति का कार्यकाल दिसंबर 2027 तक रहेगा। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार समिति को प्रत्येक वर्ष कम से कम तीन बैठकें आयोजित करनी होंगी। इन बैठकों में भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन से संबंधित यात्री सुविधाओं, विकास कार्यों एवं अन्य आवश्यक सुधारों पर चर्चा कर सुझाव तैयार किए जाएंगे।

समिति द्वारा भेजे गए सुझावों एवं अनुशंसाओं पर रेलवे की उच्चस्तरीय समिति विचार कर आवश्यक कार्रवाई करेगी। समिति के गठन से स्टेशन की सुविधाओं में सुधार तथा यात्रियों की समस्याओं के समाधान को लेकर नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सुरक्षित मातृत्व व घरेलू हिंसा कानून पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

मानव तिवाड़ी। तालुका विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष एवं सिविल न्यायाधीश रूपल अग्रवाल के निर्देशन में राजकीय महात्मा गांधी माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को सुरक्षित मातृत्व, स्वस्थ महिला-स्वस्थ शिशु विषय पर जानकारी देते हुए गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित पोषण, संस्थागत प्रसव, समय पर टीकाकरण तथा सरकार की

मातृ एवं शिशु कल्याण योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

इस दौरान घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम-2005 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए महिलाओं को हिंसा मुक्त एवं सम्मानजनक जीवन जीने के अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही घरेलू हिंसा की स्थिति में कानूनी सहायता, संरक्षण आदेश, आश्रय, परामर्श तथा निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी बताई गई।

शिविर में पैनल अधिवक्ता सुनील जोशी एवं पीएलवी रामबाबू माथुर ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए समाज में सम्मान, समानता और सुरक्षित मातृत्व का संदेश देना रहा।

सीएलजी बैठक आयोजित, त्योहारों पर शांति व सुरक्षा बनाए रखने पर जोर

साइबर अपराध, नशे और अवैध बजरी खनन की रोकथाम में जनसहयोग का किया आह्वान

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

(गजानंद जोशी)

पंडेर थाना परिसर में सोमवार को सीएलजी सदस्यों की बैठक पुलिस उपाधीक्षक रेवडमल मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी त्योहारों एवं सार्वजनिक आयोजनों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पुलिस उपाधीक्षक रेवडमल मौर्य ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने

मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति से इस अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक रहने, किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक अथवा ऑनलाइन लेन-देन से सतर्क रहने तथा धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की सलाह दी। सड़क सुरक्षा के तहत दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने का आग्रह किया गया। साथ ही अवैध बजरी खनन एवं परिवहन की रोकथाम को लेकर भी चर्चा करते हुए ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आह्वान किया। बैठक में थानाधिकारी शंभू दयाल, प्रशासक शंकरलाल गुर्जर, पूर्व वार्ड पंच कैलाशचंद्र तिवाड़ी, पंचायत समिति सदस्य प्रत्याशी गोपाललाल रेगर, समाजसेवी देवराज भाट, युवा नेता सुरेश माली, बाबूलाल भाट, हेमराज जाट, केदार, रामप्रसाद जाट, शंकरलाल, दुर्गालाल, रामप्रसाद मीणा, खलील मोहम्मद सहित सीएलजी सदस्य एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पटवारी-कानूनगो आंदोलन पर, 30 जुलाई से कार्य बहिष्कार की चेतावनी

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी ग्रामीण

दिनेश पारीक

राजस्थान पटवार-कानूनगो संघ ने लंबित मांगों को लेकर जिला कलेक्टर के नाम उपखंड अधिकारी कोटड़ी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। संघ ने राजस्व कार्मिकों पर कथित अनावश्यक विभागीय कार्रवाई, निलंबन, कठोर दंड एवं स्थानांतरण में भेदभाव का आरोप लगाया।

संघ के अनुसार सोमवार से जिलेभर के पटवारी और कानूनगो काली पट्टी बांधकर कार्य कर रहे हैं तथा प्रतिदिन दोपहर 12 से 1 बजे तक सांकेतिक कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। ज्ञापन में पटवारी हरदेव लाल बैरवा की सेवा समाप्ति आदेश की समीक्षा, निलंबित कर्मचारियों की बहाली तथा स्थानांतरण आदेश प्राप्त सभी कार्मिकों को बिना भेदभाव कार्यमुक्त करने की मांग की गई है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 29 जुलाई तक मांगें नहीं मानी गईं तो 30 जुलाई से जिले के सभी पटवारी एवं कानूनगो अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पर चले जाएंगे। ज्ञापन के दौरान पटवार संघ की कार्यकारी अध्यक्ष दीपा राठौड़, कानूनगो संघ के कार्यकारी अध्यक्ष गोपाललाल शर्मा सहित दोनों संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मिसाइल मैन डॉ. कलाम को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, युवाओं के लिए बताया प्रेरणास्रोत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

भारत के पूर्व राष्ट्रपति, 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' और भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके देश के प्रति अमूल्य योगदान को याद किया।

सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि डॉ. कलाम ने विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में भारत को नई पहचान दिलाई और आत्मनिर्भर राष्ट्र की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका सादगीपूर्ण जीवन, राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण और युवाओं को बड़े सपने देखने की प्रेरणा आज भी देशवासियों के लिए आदर्श है।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिवराम खटीक, नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक, अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष हमीद रंगरेज, पार्षद उस्मान पठान, शाहिद देशवाली, मंजू पोखरना, कुणाल ओझा, अली हैदर, हारुन रंगरेज,

वसीम शेख, अजहरुद्दीन शेख, योगेश सोनी, पुलकित टेलर, निसार सिलावट, शिवराज सुराणा, सत्यवीर बन्ना, मुश्ताक मंसूरी, बाबू अंसारी, कमल प्रजापत, अनवर मंसूरी, दिनेश बैरवा, शम्मा बानो, इरशाद अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभा के अंत में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके आदर्शों पर चलकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

पटवारी हरदेव बैरवा की सेवा समाप्ति के विरोध में पटवारियों का प्रदर्शन, 30 जुलाई से कार्य बहिष्कार की चेतावनी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनीत चपलोत

राजस्थान पटवार कानूनगो संघ के नेतृत्व में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में पटवारियों एवं राजस्व कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने प्रशासन पर राजस्व कार्मिकों के उत्पीड़न तथा छोटी-छोटी बातों पर कठोर कार्रवाई का आरोप लगाया। संघ ने पटवारी हरदेव बैरवा की सेवा समाप्ति का आदेश निरस्त करने, स्थानांतरित पटवारियों को शीघ्र कार्यमुक्त करने तथा कर्मचारियों के खिलाफ कथित दमनात्मक कार्रवाई रोकने की मांग की। जिलाध्यक्ष शिवेंद्र पारीक ने बताया कि फिलहाल कर्मचारी काली पट्टी बांधकर कार्य कर रहे हैं। मांगें नहीं मानी गईं तो 30 जुलाई से जिलेभर के पटवारी एवं राजस्व कर्मचारी संपूर्ण कार्य बहिष्कार पर चले जाएंगे।

12 मांगों को लेकर एफआरटी कर्मचारियों का अल्टीमेटम, 3 अगस्त से कार्य बहिष्कार की चेतावनी

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी ग्रामीण

दिनेश पारीक

विद्युत विभाग की फॉल्ट रिपेयर टीम (एफआरटी) के कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि सहित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर सहायक अभियंता राहुल जीनगर को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो 3 अगस्त से कार्य का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा।

कर्मचारियों का कहना है कि वर्ष 2018 से वे मात्र 7 से 8 हजार रुपये मासिक वेतन पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नए श्रम कानून के अनुसार 18 से 21 हजार रुपये मासिक वेतन, नियुक्ति पत्र, ईएसआई-पीएफ, सुरक्षा उपकरण, ओवरटाइम, पेट्रोल भत्ता, पर्याप्त वाहन एवं कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने सहित अन्य सुविधाओं की मांग की है। कर्मचारियों ने कहा कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर कार्य बहिष्कार से विद्युत आपूर्ति संबंधी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

14 सितंबर से सजेगा नगर पालिका चौक, गणेश महोत्सव की तैयारियां शुरू

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

शुभम । गणेश महोत्सव को लेकर मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में गणेश महोत्सव समिति की प्रथम बैठक आयोजित हुई। बैठक में पंडाल, सजावट, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर चर्चा की गई।

समिति ने वरदान नायक, चंदन राजपूत एवं मनोज रेगर को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी। निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी नगर पालिका चौक में मिट्टी की भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा 12 सितंबर को कोटा से लाई जाएगी। महोत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर को होगा तथा 25 सितंबर को गणपति विसर्जन किया जाएगा।

बैठक में उमेश शर्मा, चीनू पंवार, दीपक , गजु मालवीय, करण मेहरा, रोहित रेगर, कमल, नितिन कोली, अनुराग नायक, सुमित चौहान, त्रिलोक पंवार, जेपी नायक, रुद्र नायक, मोहित दमामी, भैरू नायक सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जैन मुनि के सानिध्य में हुआ पौध रोपण अभियान का शुभारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी

राजेन्द्र बबलू पोखरना

ऐतिहासिक धार्मिक स्थल प्रभु श्री चारभुजानाथ परिसर व धर्माउ तालाब के चारो ओर पौधरोपण अभियान का सोमवार को जैन सन्त मेवाड़ गौरव, प्रखर वक्ता श्री रविन्द्र मुनि के सानिध्य में शुभारम्भ किया गया। मुनि की उपस्थिति में श्री चारभुजा मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुदर्शन गाड़ेदिया, ओम पालीवाल, जैन समाज के अध्यक्ष निर्मल लोढ़ा, संरक्षक नवरतन मल पोखरना, अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के जिला कोषाध्यक्ष शान्ति लाल पोखरना सहित बड़ी संख्या में प्रभु भक्तो ने उपस्थित हो कर पर्यावरण बढ़ाने का संकल्प लेते हुए पौधरोपण किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष सुदर्शन गाड़ेदिया ने बताया कि मन्दिर परिसर व तालाब के चारो ओर फल, फूल, छायादार पौधे लगाए जाएंगे।

20 साल से लंबित नाम शुद्धिकरण का शिविर में हुआ समाधान, ग्रामीणों को मिली राहत

भीलवाड़ा फोकस @ सलावटिया।

विकास जैन

जनकल्याण शिविर अभियान के तहत सोमवार को पंचायत मुख्यालय चान्दजी की खेड़ी में ग्रामीण सेवा शिविर का फॉलोअप शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 21 विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और अनेक मामलों का मौके पर ही समाधान किया।

शिविर में पंचायतीराज विभाग द्वारा स्वामित्व संबंधी कार्यों के साथ 16 पट्टे तैयार किए गए तथा व्यक्तिगत शौचालय के 6 आवेदन तैयार किए गए। राजस्व विभाग ने नाम शुद्धिकरण के 17, नामांतरण के 11, रास्ता खुलासा के 3, जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र के 27 तथा सीमाज्ञान का एक प्रकरण निस्तारित किया। इसके अलावा राजकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की एक कार्रवाई भी की गई। शिविर की विशेष उपलब्धि 20 वर्षों से लंबित नाम शुद्धिकरण का मामला रहा। जिसमे शिवदयाल पुत्र जगदीशचन्द्र ने अपनी समस्या शिविर प्रभारी के समक्ष रखी, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही समाधान कर राहत प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त अनेक अन्य प्रकरणों का भी निस्तारण किया गया।

शिविर में विकास अधिकारी एवं शिविर प्रभारी अशेष शर्मा, अतिरिक्त विकास अधिकारी रामेश्वर लाल बैरवा, प्रशासक मोहनलाल धाकड़, एसीबीईओ कन्हैयालाल शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी बंशीलाल, गिरदावर चैनसिंह राजपूत, पटवारी चन्द्रवीर, कनिष्ठ सहायक उजयंता धाकड़ एवं माया जोशी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

QUICK BITES

भाजपा धूमधाम से मनाएगी संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती

समरसता संकल्प अभियान के तहत जिला कार्यशाला का आयोजन आज

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती आध्यात्मिक भावना और श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी। इसी कड़ी में कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों के दृष्टिगत 29 जुलाई से प्रारंभ होने वाले समरसता संकल्प अभियान के तहत जिला कार्यशाला का आयोजन आज 28 जुलाई, मंगलवार दोपहर 12 बजे भाजपा जिला कार्यालय पर होगा।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं वक्ता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गेना रहेंगी, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाडा करेंगे। कार्यशाला में बड़ी संख्या में भाजपा जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी तथा पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

10 साल पहले बनी सीसी सड़क बनी दलदल, नालियां गायब होने से गोपालपुरा ढाणी में जलभराव और गंदगी का संकट

भीलवाड़ा फोकस @ सावर ।

दिलखुश

उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोरधा के गोपालपुरा ढाणी में करीब 10 वर्ष पूर्व निर्मित सीसी सड़क आज बदहाली का शिकार हो चुकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क पूरी तरह टूटकर जगह-जगह से उखड़ गई है और अब दलदल जैसी स्थिति बन गई है। वहीं सड़क के दोनों ओर बनी नालियां भी पूरी तरह गायब हो जाने से बारिश और गंदे पानी की निकासी बंद हो गई है।

नालियों के अभाव में पूरे मोहल्ले में जगह-जगह जलभराव हो रहा है, जिससे गंदगी फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन ने अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है।

ग्रामीणों ने बताया कि गंदगी और रुके हुए पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षतिग्रस्त सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने, नालियों का निर्माण करवाने और मोहल्ले में नियमित साफ-सफाई कराने की मांग की है।

हरी शेवा उदासीन आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता एवं समर्पण का पवित्र पर्व गुरु पूर्णिमा इस वर्ष भी हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर, भीलवाड़ा में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा।

महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के सान्निध्य में उदासीनाचार्य श्री श्रीचन्द्र जी महाराज, सतगुरुओं की समाधियों, धूणा साहब, आसण साहब, छणी साहब एवं चरण पादुका का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन-अर्चन किया जाएगा।

इस दौरान गुरु भाई, शिष्य एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।सेवा-सुमिरन की श्रृंखला में अन्न क्षेत्र की सेवा, गौ सेवा, दिनभर प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। संत गोविन्दराम ने जानकारी देते हुए बताया कि सायंकालीन सत्र में प्रतिमाह पूर्णिमा को आयोजित होने वाला बाबा शेवाराम साहब का मासिक प्राकट्य उत्सव भी श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम में आरती, सत्संग के पश्चात भंडारा प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक आयोजन का लाभ लेने का आग्रह किया।

शाहपुरा में आकार ले रही विरासत की नई पहचान, ठाकुर केसरी सिंह बारहठ व रामस्नेही संप्रदाय के भव्य पैनोरमा का निरीक्षण

धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत बोले गुणवत्ता से समझौता नहीं, जोधपुर के गुलाबी पत्थर से संवरेगी सांस्कृतिक धरोहर

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचंद पेसवानी

राजस्थान की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की दिशा में शाहपुरा में निर्माणाधीन दो भव्य पैनोरमा तेजी से आकार ले रहे हैं। क्रांतिकारी शहीद ठाकुर केसरी सिंह बारहठ एवं विश्वविख्यात रामस्नेही संप्रदाय पर आधारित इन परियोजनाओं का सोमवार को राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान लखावत ने अधिकारियों, अभियंताओं एवं संवेदकों को निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पैनोरमा केवल भवन नहीं, बल्कि महापुरुषों, संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने वाले केंद्र होते हैं। इसलिए इनके निर्माण में गुणवत्ता और सौंदर्य दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों पैनोरमा के निर्माण में जोधपुर के गुलाबी पत्थर का उपयोग किया जाए, जिससे भवनों में राजस्थानी स्थापत्य कला की भव्यता और सांस्कृतिक गरिमा झलके। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद पर्यटकों और श्रद्धालुओं को राजस्थान की समृद्ध विरासत का सजीव अनुभव मिलेगा।

आधुनिक तकनीक से जीवंत होगा इतिहास

राजस्थान सरकार प्रदेश के महापुरुषों, लोकदेवताओं, स्वतंत्रता सेनानियों और संतों के जीवन एवं योगदान को आधुनिक तकनीक के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पैनोरमा विकसित कर रही है। इनमें आकर्षक दीर्घाएं, दुर्लभ चित्र, मूर्तियां, डिजिटल डिस्प्ले, साउंड एंड लाइट शो तथा मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों के जरिए ऐतिहासिक घटनाओं और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

निर्माणाधीन ठाकुर केसरी सिंह बारहठ पैनोरमा स्वतंत्रता संग्राम में उनके त्याग, राष्ट्रभक्ति और बलिदान की गाथा को दर्शाएगा, जबकि रामस्नेही संप्रदाय पैनोरमा स्वामी रामचरणजी महाराज की शिक्षाओं, संत परंपरा, सेवा, प्रेम और मानवता के संदेश को आधुनिक माध्यमों से प्रस्तुत करेगा।

निरीक्षण के दौरान लखावत ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों से भी चर्चा की और विश्वास जताया कि दोनों पैनोरमा पूर्ण होने के बाद शाहपुरा धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से प्रदेश के प्रमुख केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

इस अवसर पर पूर्व पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी, पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष राजेश पारीक, प्रताप सिंह बारहठ सेवा संस्थान के सचिव कैलाश जाड़ावत, युवराज सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गुरु महिमा से सराबोर हुई साहित्यिक गोष्ठी, काव्य और चिंतन से गूंजा शाहपुरा

कवियों व साहित्यकारों ने गुरु-शिष्य परंपरा, संस्कार और राष्ट्र चेतना पर रखे विचार

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचंद पेसवानी

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहर में आयोजित साहित्यिक गोष्ठी गुरु महिमा, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चिंतन का प्रेरक संगम बन गई। कवियों, साहित्यकारों एवं चिंतकों ने अपनी काव्य रचनाओं, गीतों, दोहों और विचारों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण में गुरु की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान पूरा सभागार गुरु वंदना और साहित्यिक रसधारा से सराबोर रहा।

गोष्ठी का शुभारंभ साहित्यकार रवीन्द्र सिंह जाड़ावत ने सरस्वती वंदना 'वीणा वादिनी हंस वाहिनी, ध्यान धरूँ करूँ नमन शारदे' से किया। इसके बाद सीए अशोक बोहरा ने महाभारत प्रसंग पर आधारित अपनी कविता के माध्यम से धर्म और कर्तव्य का संदेश दिया।

मुख्य वक्ता डॉ. सत्यनारायण कुमावत ने कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि शिष्य के जीवन में संस्कारों का बीजारोपण करने वाला मार्गदर्शक होता है। उन्होंने उपनिषद के मंत्र 'असतो मा सद्गमय' का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। उन्होंने समर्पण, जिज्ञासा और सेवा भाव को आदर्श शिष्य के तीन प्रमुख गुण बताया।

कार्यक्रम में जयदेव जोशी ने दोहों के माध्यम से गुरु की महत्ता का वर्णन किया, जबकि डॉ. कमलेश पाराशर ने सामाजिक समरसता और संस्कारों पर आधारित कविता प्रस्तुत की। आशुतोष सिंह सोदा ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रचना सुनाई, वहीं डॉ. परमेश्वर कुमावत 'परम', सोमेश्वर व्यास और गोविंद सिंह बड़गुर्जर ने गुरु वंदना से जुड़े गीत प्रस्तुत कर श्रद्धा का वातावरण बनाया।

वरिष्ठ गीतकार बालकृष्ण जोशी 'बीरा' ने जीवन मूल्यों पर आधारित गीत सुनाए। तेजपाल उपाध्याय का व्यंग्य 'दुनिया बदली, समय बदल गया, गुरु अब टीचर हो गया' श्रोताओं को खूब पसंद आया। ओम माली 'अंगारा', विश्राम 'विष', रवीन्द्र सिंह जाड़ावत तथा कैलाश सिंह जाड़ावत ने भी अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कैलाश सिंह जाड़ावत द्वारा अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय पर प्रस्तुत गीत को विशेष सराहना मिली।

अंत में गोविंद सिंह बड़गुर्जर ने सभी प्रस्तुतियों की समीक्षात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसी साहित्यिक गोष्ठियां भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा और नैतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम का समापन गुरु वंदना और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

भीलवाड़ा में राजस्व महकमे का बिगुलः कलेक्टर के खिलाफ पटवारी-कानूनगो आंदोलन पर, 30 जुलाई से पूर्ण कार्य बहिष्कार की चेतावनी

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

जिला कलेक्टर की कार्यशैली और राजस्व कार्मिकों के खिलाफ की जा रही विभागीय कार्रवाई के विरोध में राजस्थान पटवार-कानूनगो संघ ने सोमवार से जिलेभर में चरणबद्ध आंदोलन का आगाज कर दिया। संघ के आह्वान पर जिले के पटवारी एवं कानूनगो (गिरदावर) 27 जुलाई से बांह पर काली पट्टी बांधकर कार्य कर रहे हैं तथा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक एक घंटे का सांकेतिक कार्य बहिष्कार करेंगे। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 29 जुलाई तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो 30 जुलाई से जिलेभर में पूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा, जिससे राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो सकते हैं।शाहपुरा उपखंड अधिकारी सुनील कुमार के माध्यम से जिला कलेक्टर भीलवाड़ा को सौंपे गए ज्ञापन में संघ ने आरोप लगाया कि जिले में राजस्व कार्मिकों के बीच भय और दबाव का वातावरण बनाया जा रहा है। छोटी-छोटी प्रकृति की विभागीय जांचों में भी अत्यधिक कठोर दंड दिए जा रहे हैं तथा कार्मिकों द्वारा प्रस्तुत जवाब, दस्तावेज और साक्ष्यों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा। संघ का कहना है कि कई मामलों में जांच अधिकारी की रिपोर्ट से अलग जाकर निर्णय लिए जा रहे हैं, जो प्राकृतिक न्याय की भावना के विपरीत हैं।संघ ने अपनी तीन प्रमुख मांगों में हाल ही में संस्थित विभागीय जांचों को वापस लेने, पटवारी हरदेव लाल बैरवा के विरुद्ध की गई सेवा से पदच्युति की कार्रवाई निरस्त कर पुनर्बहाली करने तथा स्थानांतरित पटवारी एवं कानूनगो कार्मिकों को बिना किसी भेदभाव के तत्काल कार्यमुक्त करने की मांग की है।ज्ञापन में हरदेव लाल बैरवा के प्रकरण का विशेष उल्लेख करते हुए कहा गया कि उन्हें धारा 91 की रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत नहीं करने के आरोप में सेवा से बर्खास्त किया गया, जबकि संघ का दावा है कि नियमानुसार खरीफ सीजन की धारा 91 की रिपोर्ट 15 अगस्त तक प्रस्तुत की जानी होती है और बैरवा को उससे पहले ही निलंबित कर दिया गया था। संघ ने इस कार्रवाई को नियमों के विपरीत बताते हुए संबंधित प्रकरण की समीक्षा कर संभागीय आयुक्त,अजमेर को भेजने की मांग की है।संघ ने यह भी आरोप लगाया कि राजस्व मंडल एवं संभागीय आयुक्त स्तर से स्थानांतरित कई पटवारी एवं कानूनगो को अब तक कार्यमुक्त नहीं किया गया है, जबकि कुछ प्रभावशाली कार्मिकों को प्राथमिकता के आधार पर कार्यमुक्त कर दिया गया। इससे कर्मचारियों में भेदभाव की भावना उत्पन्न हुई है। संघ ने सभी स्थानांतरित कार्मिकों को समान रूप से तत्काल कार्यमुक्त करने की मांग उठाई है।राजस्थान पटवार-कानूनगो संघ ने जिला कलेक्टर पर दमनात्मक,कठोर एवं तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे माहौल में राजस्व कार्मिक मानसिक दबाव में कार्य करने को विवश हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों प्रभावित हो रही हैं।

संघ ने स्पष्ट किया कि यदि 29 जुलाई तक मांगों पर सहमति नहीं बनी तो 30 जुलाई से जिलेभर में पूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।ज्ञापन सौंपने के दौरान पटवार संघ अध्यक्ष बजरंग लाल सैनी, उपाध्यक्ष डूंगरराम चौहान, कानूनगो संघ अध्यक्ष बालकृष्ण शर्मा, बृजराज सोलंकी, राकेश कुमार जैन, जिला महामंत्री दशरथ चौधरी सहित बड़ी संख्या में पटवारी एवं कानूनगो उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा में सजा श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाहोत्सव, वृंदावन धाम बनी कथा स्थली

कथा व्यास पं. केदार महाराज बोले माता-पिता की सेवा, गौसेवा और जरूरतमंद की सहायता ही सच्ची भक्ति

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

ब्रह्मलीन श्री 1008 श्री रामनिवास दास महाराज के समाधि स्थल पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा परिसर वृंदावन धाम की अनुपम छटा से सुसज्जित नजर आया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के दिव्य विवाहोत्सव का आयोजन वैदिक रीति-रिवाजों और धार्मिक परंपराओं के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ।

कथा व्यास पंडित केदार महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला, माखन चोरी, कुब्जा उद्धार, कंस वध तथा रुक्मिणी विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और संस्कार का संदेश दिया।

अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि केवल मंदिरों में पूजा-अर्चना करने से भगवान प्रसन्न नहीं होते, बल्कि माता-पिता की सेवा, गौमाता की रक्षा और जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने कहा कि यदि भगवान को भोग लगाना है तो उससे पहले किसी भूखे को भोजन कराएं, गौमाता को चारा खिलाएं और अपने माता-पिता का सम्मान करें। यही सनातन संस्कृति का मूल संदेश है।

पं. केदार महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा, सेवा, धर्म और लोककल्याण का प्रतीक है। गोवर्धन धारण की लीला प्रकृति संरक्षण और गौसेवा का संदेश देती है, कुब्जा उद्धार श्रद्धा और निष्कपट भाव की महत्ता को दर्शाता है, जबकि कंस वध अन्याय और अधर्म पर सत्य की विजय का प्रतीक है।

कथा का मुख्य आकर्षण श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाहोत्सव रहा। महिलाओं ने पारंपरिक मंगलगीतों के बीच भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के चरण पखारे, तिलक लगाया, पुष्प अर्पित किए और आरती उतारी। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि को साक्षी मानकर विवाह की सभी रस्में संपन्न कराई गईं। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर दिव्य युगल का स्वागत किया, जिससे पूरा कथा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत मधुर कृष्ण भजनों पर महिला-पुरुष, युवा एवं बुजुर्ग श्रद्धालु भक्ति भाव में झूम उठे। कथा के

फुकीया चंद्रभागा बांध की पाल की मरम्मत शुरू, क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर

डीएमएफटी फंड से 2.42 करोड़ रुपये की लागत से होगा चौड़ीकरण, तीन दर्जन से अधिक गांवों को मिलेगा लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ कांगनी ।

राकेश शर्मा

भीलवाड़ा-राजसमंद जिले की अंतिम सीमा पर स्थित फुकीया चंद्रभागा बांध की पाल की मरम्मत का कार्य वर्षों बाद शुरू होने से क्षेत्र के ग्रामीणों और किसानों में खुशी का माहौल है। लंबे समय से बांध की पाल की मरम्मत की मांग कर रहे लोगों ने निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं सिंचाई विभाग के प्रति आभार जताया है। सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) श्रीकांत शर्मा ने बताया कि फुकीया चंद्रभागा बांध की जलभराव क्षमता लगभग 18.5 फीट है तथा यह करीब 10 किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। बांध की पाल लगभग 4.25 किलोमीटर लंबी है। डीएमएफटी फंड से करीब 2 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से पाल की मरम्मत एवं चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद पाल की चौड़ाई लगभग 12 फीट (करीब 4.5 मीटर) हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि फुकीया चंद्रभागा बांध क्षेत्र का प्रमुख मिट्टी का बांध है। इसके भरने पर तीन दर्जन से अधिक गांवों की कृषि भूमि की सिंचाई होती है। साथ ही आसपास के किसानों के कुओं का जलस्तर बढ़ने से खेती को भी पर्याप्त लाभ मिलता है। बांध में पानी की आवक चंद्रभागा नदी तथा गोवलियां पिकअप वियर के फीडर के माध्यम से होती है।

निर्माण कार्य शुरू होने के बाद आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में बांध की पाल पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण कर रहे हैं। ग्रामीणों ने सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया एवं सिंचाई विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से लंबित यह कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र के किसानों, पशुपालकों और आमजन को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा तथा सिंचाई व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनि का कोटड़ी में ऐतिहासिक चातुर्मासिक मंगल प्रवेश, धर्ममय हुआ नगर

भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, प्रथम प्रवचन में संयम, संस्कार और आत्मकल्याण का दिया संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी ।

(राजेन्द्र बबलू पोखरना)

धर्मनगरी कोटड़ी सोमवार को आध्यात्मिक आस्था के महासंगम में तब्दील हो गई, जब मेवाड़ गौरव एवं प्रखर प्रवचनकार परम पूज्य गुरुदेव श्री रविन्द्र मुनि महाराज साहब का जीवन के 24वें चातुर्मास के लिए भव्य एवं ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। नगर के प्रमुख मार्ग श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहे और जगह-जगह समाजजनों व विभिन्न संगठनों ने गुरुदेव का पुष्पवर्षा एवं अभिनंदन कर स्वागत किया। पूरे नगर में 'जय गुरुदेव' और 'महावीर स्वामी की जय' के जयघोष से वातावरण धर्ममय हो उठा।

भगवानपुरा मार्ग स्थित पारस वाटिका से निकली भव्य शोभायात्रा में सफेद परिधानों में सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं, महिला मंडल की सदस्याएं एवं बच्चे धार्मिक ध्वज लेकर शामिल हुए। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सदर बाजार स्थित शीतल भवन पहुंची, जहां मंगलपाठ के साथ गुरुदेव का विधिवत चातुर्मासिक मंगल प्रवेश कराया गया। इसके बाद श्री चारभुजानाथ मंदिर प्रांगण में आयोजित विशाल धर्मसभा में कोटड़ी सहित आसपास के अनेक गांवों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त किया।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए गुरुदेव श्री रविन्द्र मुनि महाराज ने कहा कि चातुर्मास केवल वर्षा ऋतु का प्रवास नहीं, बल्कि आत्मजागरण, संयम, साधना और संस्कारों के संवर्धन का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि भौतिक उन्नति के साथ आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है। धर्म, सदाचार और आत्मचिंतन को जीवन में अपनाने से ही जीवन सार्थक बनता है। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कारों से जुड़ने और परिवारों में धार्मिक वातावरण विकसित करने का आह्वान किया।

गुरुदेव ने बताया कि आगामी चार माह कोटड़ी में प्रवचन, धर्मसभा, सामायिक, तप-आराधना, स्वाध्याय, महिला एवं युवा प्रेरणा कार्यक्रम, बाल संस्कार शिविर सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे, जिनका लाभ क्षेत्रभर के श्रद्धालु उठाएंगे।

आयोजन के दौरान स्वागत, पेयजल, भोजन, आवास एवं अन्य व्यवस्थाएं अनुकरणीय रहीं। विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने समर्पित भाव से अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्री शीतल वेणी मोहन चातुर्मास समिति, श्री यश सिद्ध महिला मंडल एवं श्री महावीर नवयुवक मंडल सहित सभी समितियों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भंवर सिंह गोखरू सलावटिया ने की तथा मुख्य अतिथि धर्मचंद रातड़िया (बेगूं) रहे। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष निर्मल लोढ़ा, संरक्षक नवरतनमल पोखरना, चातुर्मास समिति अध्यक्ष शांतिलाल पोखरना, प्रवक्ता अविनाश लोढ़ा सहित भीलवाड़ा, नांदराय, लुलास, बेगूं, उदयपुर, कनेरा, मांडलगढ़, बीगोद, गहुली, दातड़ा, निम्बाहेड़ा, नेवरिया सहित अनेक जैन संघों के पदाधिकारियों का श्रीसंघ कोटड़ी की ओर से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शांतिलाल पोखरना ने किया।

चातुर्मास आत्मा के आध्यात्मिक रेस्क्यू का अभियान है : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

धर्मसभा में कहा संत-सान्निध्य और साधना के अवसर का सदुपयोग ही मानव जीवन की सार्थकता

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

शांतिभवन में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चातुर्मास केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि संसार और कर्मों के प्रवाह में फंसी आत्मा को बाहर निकालने वाला आध्यात्मिक 'रेस्क्यू अभियान' है। इसका वास्तविक लाभ वही व्यक्ति प्राप्त करता है, जो संत-सान्निध्य, जिनवाणी और साधना के अवसर का सदुपयोग करता है।

युवाचार्यश्री ने एक दृष्टांत के माध्यम से बताया कि जैसे बाढ़ में फंसे व्यक्ति को बचाने के लिए समय-समय पर सहायता पहुंचती है, उसी प्रकार चातुर्मास, संतों का सान्निध्य और जिनवाणी भी आत्मकल्याण का अवसर हैं। यदि मनुष्य इन अवसरों को पहचान नहीं पाता तो वह आध्यात्मिक उन्नति से वंचित रह जाता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की महानता उसके जन्म या पंथ से नहीं, बल्कि तप, संयम, आचरण और पुरुषार्थ से तय होती है। केवल किसी धर्म या परंपरा से जुड़े होने का दावा पर्याप्त नहीं, बल्कि भगवान महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह और आत्मशुद्धि के सिद्धांतों को जीवन में उतारना ही सच्चा धर्म है।

युवाचार्यश्री ने श्रद्धालुओं से चातुर्मास को आत्मचिंतन, तप, सेवा और कर्मनिर्जरा का अवसर मानकर जीवन को सार्थक बनाने का आह्वान किया। धर्मसभा में हितमितभाषी हितेंद्र ऋषिजी, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी, यशोदीप्ति मधुकंवरजी, महासती सुचेताजी एवं साध्वी पियूषदर्शनाजी का सान्निध्य रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्मचक्र तप के प्रत्याख्यान भी ग्रहण किए।

2 अगस्त से पुलकसागरजी महाराज के चातुर्मास का शुभारंभ, गुरु दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु

धर्म चर्चा में जिज्ञासाओं का समाधान, मंगल कलश स्थापना का बताया आध्यात्मिक महत्व

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मूलचन्द पेसवानी

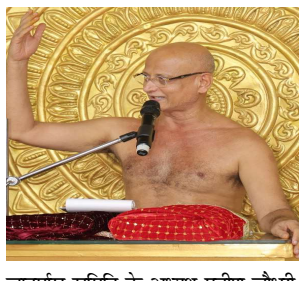

प्रख्यात राष्ट्र संत एवं ओजस्वी प्रवचनकार मनोज्ञाचार्य पूज्य गुरुदेव पुलकसागरजी महाराज के सानिध्य में आयोजित होने वाले चातुर्मास को लेकर शहर में धार्मिक वातावरण बनने लगा है। शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में गुरुदेव के दर्शन, पूजन और धर्म चर्चा के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं पहुंच रही हैं। गुरुदेव श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक जिज्ञासाओं का समाधान कर धर्म के मर्म को सरल भाषा में समझा रहे हैं।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, मैन सेक्टर शास्त्रीनगर के तत्वावधान तथा सकल दिगम्बर जैन समाज के सहयोग से आयोजित चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ 2 अगस्त को चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना के साथ होगा।

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि सोमवार को भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों सहित बाहर से आए श्रद्धालुओं ने सूर्यमहल पहुंचकर गुरुदेव का आशीर्वाद लिया। धर्म चर्चा के दौरान श्रद्धालुओं ने अनेक आध्यात्मिक प्रश्न पूछे, जिनका गुरुदेव ने विस्तार से समाधान किया। श्राविका भारती जैन द्वारा मंगल कलश स्थापना के महत्व पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में गुरुदेव पुलकसागरजी महाराज ने कहा कि चार माह की साधना का पुण्यफल श्रद्धालुओं तक पहुंचे और मंत्र, तंत्र तथा यंत्र से पूजित कलश की स्थापना करने वाले को आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हो, इसी मंगल भावना से चातुर्मासिक कलश की स्थापना की जाती है।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरुपूजन से हुई। आमलियों की बारी महिला मंडल, तिलकनगर महिला मंडल और शास्त्रीनगर महिला मंडल की सदस्याओं के साथ मुंबई से पधारे गुरुभक्त चिंतामणी बज परिवार ने पूजन किया। दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का लाभ डॉ. प्रबुद्ध जैन एवं श्रीमती चंदा जैन परिवार ने प्राप्त किया।

समिति के संयोजक मनीष शाह ने बताया कि 1 अगस्त को चित्रकूटधाम में गुरु गुणानुवाद कार्यक्रम आयोजित होगा, जबकि 2 अगस्त को चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना होगी। दोपहर 2 बजे से गुरु गुणगान महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा।

QUICK BITES

हमीरगढ़ मठ में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव आज से, भजन संध्या व महाप्रसादी होगी आकर्षण

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मूलचंद पेसवानी

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर रेलवे स्टेशन के समीप चित्तौड़ रोड स्थित श्री छोबावड़ी सगस जी रत्नेश्वर महादेव मठ, हमीरगढ़ में 28 एवं 29 जुलाई को दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया जाएगा। महोत्सव को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

मठ की श्री महंत साध्वी देवगिरी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन भव्य स्तर पर किया जा रहा है। महोत्सव का शुभारंभ 28 जुलाई को रात्रि 8:15 बजे भव्य भजन संध्या से होगा। इसमें सुप्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा गुरु महिमा एवं भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को प्रातः 9:15 बजे हवन, गुरुचरण पूजन, समाधि पूजन एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम के दौरान संत-महात्माओं का सान्निध्य तथा गुरु महिमा का गुणगान महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

श्री महंत साध्वी देवगिरी ने क्षेत्र के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार महोत्सव में उपस्थित होकर गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त करने एवं धार्मिक अनुष्ठानों का पुण्य लाभ लेने का आह्वान किया।

उन्होंने गुरु महिमा का स्मरण कराते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूजनीय माना गया है तथा गुरु के मार्गदर्शन से ही जीवन का सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है।

समीक्षा-2026' में जीतो लेडीज़ विंग भीलवाड़ा को चार राष्ट्रीय सम्मान..

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

हरिद्वार में आयोजित जीतो लेडीज़ विंग की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक 'समीक्षा-2026' में भीलवाड़ा विंग को चार राष्ट्रीय अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। खेल गतिविधियों के लिए विंग को स्पोर्ट्स एप्रिसिएशन अवॉर्ड तथा महिला आत्मनिर्भरता से संबंधित कार्यों के लिए आत्मनिर्भर एप्रिसिएशन अवॉर्ड प्रदान किया गया। उत्सव शक्ति का-मौन से मुखर तक का - पहचान' अभियान में नेतृत्व के लिए चेयरपर्सन नीता बाबेल को सीपी रिकॉग्नाइजिंग अवॉर्ड और अभियान के संचालन एवं समन्वय के लिए चीफ सेक्रेटरी अर्चना पटौदी को सीएस रिकॉग्नाइजिंग अवॉर्ड मिला। ये अवॉर्ड एपेक्स जीतो लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़ एवं डायरेक्टर इंचार्ज सोनाली दुग्गड़ ने प्रदान किए। इस दौरान राजस्थान कन्वीनर सरिता लोढ़ा, एपेक्स जेएलडब्ल्यू सचिव सरिता भूतोरिया, शशि मांडोत, कोषाध्यक्ष कविता जैन एवं मेंटोर मीनल खोना उपस्थित रहीं। चेयरपर्सन नीता बाबेल ने चारों राष्ट्रीय अवॉर्ड को भीलवाड़ा चैप्टर के मार्गदर्शन,विंग की कार्यकारिणी, कन्वीनर्स एवं सदस्यों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम बताया।

संत वही, जो स्वयं कष्ट सहकर समाज को अमृत दे : आचार्य रामदयालजी महाराज

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

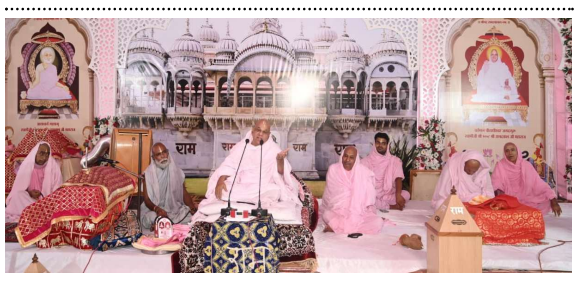

मूलचंद पेसवानी। अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगदुरु आचार्य स्वामी श्री रामदयालजी महाराज ने कहा कि संत का जीवन स्वयं के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित होता है। जो स्वयं कष्ट सहकर समाज को शांति और सद्मार्ग का संदेश दे, वही सच्चा संत है।

वे सोमवार को 'विश्व शांति कल्याण' चातुर्मास के अंतर्गत आयोजित दैनिक सत्संग में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। आचार्यश्री ने कहा कि शिव और संत में कोई अंतर नहीं है। दोनों स्वयं विष पीकर समाज को अमृत प्रदान करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि जहां संत प्रकट होते हैं, वह भूमि तीर्थ बन जाती है। स्वामी रामचरणजी महाराज की अनुभव वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है और रामस्नेही पंथ का आधार बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि ज्ञान समाधान देता है, जबकि अज्ञान समस्याओं को जन्म देता है। साधना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य, श्रद्धा और निरंतरता आवश्यक है। केवल मंदिर जाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि धर्म के प्रति प्रेम, विश्वास और समर्पण भी जरूरी है।

सत्संग से पूर्व संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस पर प्रवचन दिया, जबकि संत श्रीरामजसजी ईडर वाले ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। प्रवचन के पश्चात श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भीलवाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सत्संग में शामिल हुए।

गुरु पूर्णिमा पर विशेष आयोजन

आचार्य रामदयालजी महाराज के सान्निध्य में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर देश-विदेश से हजारों रामस्नेही श्रद्धालुओं के भीलवाड़ा पहुंचने की संभावना है। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन रामधुनी, वाणीजी का पाठ, सत्संग, संध्या आरती एवं रामनाम जप के नियमित आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।